

नंदी ले चल काशी धाम

नंदी ले चल काशी धाम
जहां बिराजे भोले बाबा
गोर जी के साथ

नदी ले चल काशी धाम
जटा में उनकी गंगा बिराजे
उनकी जटा में बहती रहती
गंगा की यह धार

नदी ले चल काशी धाम
गले में उनके सांपों की माला
उनके गले में लिपटा रहता
दिन भर काला नाग

ओ नंदी ले चल काशी धाम
हाथों में उनके डमरु बिराजे
उनके हाथों में बजता रहता डमरु
चारों धाम ओ नंदी ले चल काशी धाम

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/35896/title/nandi-le-chal-kashi-dham>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले।